इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा पहले ही जेल में बंद हैं। दोनों को हाल ही में गैरइस्लामी निकाह के मामले में अदालत ने बरी किया था।

पाकिस्तान में इमरान खान की राजनीति पूरी तरह खत्म करने की तैयारी, पार्टी पर बैन लगाएगी शरीफ सरकार

- ♦ इमरान खान ने बनाई थी पीटीआई
- ♦ सरकार का पार्टी बैन करने का फैसला
- ♦ इमरान खान पर नया केस भी होगा दर्ज

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। शहबाज शरीफ सरकार में सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इसकी जानकारी दी है। सोमवार को तरार ने कहा कि उनकी सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने जा रही है क्योंकि पाकिस्तान और पीटीआई एक साथ नहीं रह सकते। ये पार्टी और इसकी सोच देश के लिए खतरा बन गए हैं और इसके लोग देशविरोधी कामों में शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और पूर्व उप सभापति कासिम सूरी के खिलाफ आर्टिकल 6 लगाने का भी ऐलान किया है। आर्टिकल 6 के तहत मामले में मौत की सजा हो सकती है। इससे उनके भविष्य में चुनाव लड़ने पर भी संकट हो सकता है।

प्रतिबंध के फैसले की घोषणा करते हुए मंत्री तरार ने कहा कि पीटीआई पर कार्रवाई के लिए विश्वसनीय सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी फंडिंग मामले 9 मई के

दंगे, सिफर प्रकरण और अमेरिका में पारित प्रस्ताव को देखते हुए हमारी सरकार मानना है कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए लिए ये बहुत विश्वसनीय सबूत हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी चुनौती

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सूचना मंत्री अट्टा तरार ने कहा है कि शहबाज शरीफ की सरकार पिछले हफ्ते के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के सामने एक समीक्षा याचिका भी दायर करेगी। इस फैसले में पीटीआई को एक राजनीतिक दल के रूप में उसकी स्थिति की पुष्टि की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि इमरान खान की पार्टी राष्ट्रीय विधायिका में 20 से अधिक अतिरिक्त आरक्षित सीटों के लिए पात्र है। इस फैसले से गठबंधन सरकार पर सदन के भीतर दबाव बढ़ा है। इस फैसले को भी सरकार चुनौती देगी।

71 साल के इमरान खान पाकिस्तान के लोकप्रिय क्रिकेटर रहे हैं। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने 1992 में एकदिवसीय वर्ल्डकप जीता था।

खेल के बाद वह राजनीति में आए। 1996 में उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का गठन किया। 1996 से 2023 तक वह पीटीआई के अध्यक्ष रहे हैं। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक वह पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। 2022 पीएम पद से हटने के बाद उनकी मुश्किलें शुरू हुईं। उन पर कई मामले दर्ज हुए और उनको गिरफ्तार कर लिया गया। इमरान फलिहाल रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। उनको दो मामलों में सजा भी सुनाई जा चुकी है।

न्यूज ब्रीफ.....

फिर मालदीव आ रहा चीनी जासूसी जहाज, हिंद महासागर में आया नजर, भारत के लिए टेंशन

माले। चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 एक बार फिर मालदीव जा रहा है। माले स्थित अधाधु की रिपोर्ट के अनुसार, यह पोत शुक्रवार को हिंद महासागर में प्रवेश कर गया था और सोमवार को मालदीव की सीमा तक पहुंचने की उम्मीद है। चीन के इस जासूसी जहाज ने 2024 में मालदीव में दो बंदरगाहों पर यात्रा की है। इस साल की शुरूआत में, चीनी पोत 22 फरवरी को पहली बार माले में रुका था। मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सीमा पर वापस जाने के बाद, पोत एक महीने बाद वापस लौटा और 25 अप्रैल को थिलाफुशी बंदरगाह पर रुका। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोत स्टॉक की भरपाई और अपने चालक दल के रोटेशन के लिए माले जा रहा था। हालांकि, इसने अपनी वापसी का कारण नहीं बताया। मालदीव की भारत से निकटता, लक्षद्वीप में मिनिकॉय द्वीप से बमुश्किल 70 समुद्री मील और मुख्य भूमि के पश्चिमी तट से 300 समुद्री मील की दूरी पर, और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) से गुजरने वाले वाणिज्यिक समुद्री मार्गों के केंद्र में इसका स्थान इसे महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व देता है। जियांग यांग होंग 03 को चीनी बेड़े में सबसे आधुनिक अनुसंधान पोत के रूप में वर्णित किया गया है। फरवरी में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अनुसंधान पोत की गतिविधियां समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का अनुपालन करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक जल में चीन की वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियाँ शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए हैं और इसका उद्देश्य मानवता की महासागर की वैज्ञानिक समझ में योगदान देना है, उन्होंने कहा कि पोत की गतिविधियाँ यूएनसीएलओएस की शर्तों का सख्ती से अनुपालन करती हैं। चीनी पोत को माले बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति हाल ही में चुने गए चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दी थी।

भारत को पाव भर के परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री मांग रहे माफी

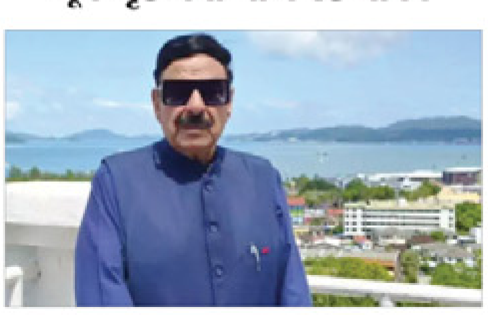

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री और अवामी मुस्लिम लीग के नेता शेख रशीद ने पाकिस्तानी सेना से आम मांफी की मांग की है। ये वही शेख रशीद है जिन्होंने गृह मंत्री रहते हुए एक इंटरव्यू में भारत को परमाणु बम की गीदड़भभकी दी थी। पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते हुए रशीद ने स्थिति की गंभीरता पर जोर दिया और कहा कि मंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने नरमी बरती थी और अब वे इस्टैबलिशमेंट से राजनीतिक कैदियों के लिए आम माफी की अपील कर रहे हैं। पाकिस्तान के ताकतवर सैन्य प्रतिष्ठान को इस्टैबलिशमेंट कहकर संबोधित किया जाता है।

पूर्व गृह मंत्री ने हाल ही में पीटीआई सदस्य सनम जावेद की वकील के चैंबर से फिर से गिरफ्तारी की घटना का जिक्र किया और कई लोगों का अपमान करने के लिए पुलिस की निंदा की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लोग दो साल से जेल में बंद हैं। इससे अच्छा होता कि वे हमें दो साल की सजा दे देते, जिसे हम काटकर आ चुके होते। रशीद ने बिजली की दरों में बढ़ोतरी की भी आलोचना की और चेतावनी दी कि देश अराजकता के कगार पर है।

'इमरान को नहीं छोड़ेंगे'

रशीद ने कहा, 'आप ऐसी उथल-पुथल पैदा करना चाहते हैं कि यह असहनीय हो जाए। यह राजनेताओं का काम नहीं है। गरीब लोग बेहद पीड़ित हैं। देश केन्या जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हालात बहुत खराब हैं। लोग इस सरकार को कोस रहे हैं। खुदा के लिए, अपने सम्मान और देश को बचाओ।' अदियाला जेल में बंद इमरान खान की रिहाई पर सवाल उठाते हुए रशीद ने कहा, 'वे कहते रहे हैं कि वह आ रहे हैं, लेकिन वह नहीं आ रहे हैं। ये इमरान खान को कैसे छोड़ेंगे। कब्र एक है और मुर्दे तीन है। नवाज और शहबाज का भी फैसला होगा।'

नौसेना | फिलीपीन नौसेना के प्रवक्ता ने कहा है कि चीनी एयरक्राफ्ट कैरियर को अपनी ऑपरेशनल क्षमता को प्राप्त करने में दशकों का समय लग सकता है।

नौसिखिया है चीनी नौसेना, एयरक्राफ्ट कैरियर चलाना सीखने में लगेगा समय... फिलीपींस ने उड़ाया मजाक

मनीला।

दक्षिण चीन सागर तनाव के बीच फिलीपींस की नौसेना ने चीनी नौसेना का मजाक उड़ाया है। फिलीपीन नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सुझाव दिया है कि बीजिंग को अपने विमानवाहक पोत-आधारित युद्ध क्षमताओं को परिष्कृत करने में अभी भी ''दशकों का समय'' लगेगा। इस बयान को कई लोगों ने ताना बताया है, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीन की नौसेना शक्ति का यथार्थवादी आकलन दर्शाता है। नौसेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल रॉय विंसेंट त्रिनिदाद से रविवार को संवाददाताओं ने चीन के तीन विमानवाहक पोतों में से एक शांडोंग पर उनकी टिप्पणी के लिए पूछा, जिसे पिछले सप्ताह फिलीपींस के तट के पास तैनात किया गया था।

त्रिनिदाद ने कहा, ''मैंने अपने देशवासियों से कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अभी भी अनुभवहीन है। हालांकि वे हमसे अधिक उन्नत हैं, लेकिन उन्हें अपने विमानवाहक पोतों के परिचालन स्तर तक पहुंचने में काफी समय लगेगा।'' बुधवार को शांडोंग को तीन एस्कॉर्ट्स के साथ बाशी चैनल के पूर्व में प्रशिक्षण अभ्यास करते हुए देखा गया, जो ताइवान और फिलीपींस को अलग करता है। 70,000 टन वजनी इस विमानवाहक पोत की पिछले महीने उत्तरी फिलीपीन द्वीप लूजोन के जलक्षेत्र में तथा अक्टूबर और नवंबर में फिलीपीन सागर के कुछ हिस्सों में निगरानी की गई थी।

त्रिनिदाद ने कहा, ''यदि हम युद्ध के बारे में उनकी सोच को जानते हैं तो हम चीन की चालों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। उनका सिद्धांत है कि यदि आप मजबूत हैं, तो दिखाएं कि आप कमजोर हैं; दूसरा, यदि आप कमजोर हैं, तो दिखाएं कि आप मजबूत हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे शांडोंग और पूरे दक्षिण चीन सागर और पश्चिमी फिलीपीन सागर में जो कर रहे हैं, वे जोर-शोर से कह रहे हैं और दिखा रहे हैं कि वे मजबूत हैं, लेकिन उनके विमानवाहक पोतों के बारे में सच्चाई यह है कि उन्हें विमानवाहक पोतों का उपयोग करके नौसैनिक युद्ध में निपुण होने के लिए दशकों की आवश्यकता है।''

दक्षिण चीन सागर में चीन ने बढ़ाई मौजूदगी

हाल के महीनों में, बीजिंग ने पूरे दक्षिण चीन सागर में अपनी उपस्थिति मजबूत की है तथा विवादित जलक्षेत्र पर अपने क्षेत्रीय अधिकारों का दावा करने के लिए फिलीपीन नौसेना और तटरक्षक मिशनों को बाधित करने के लिए आक्रामक कदम उठाए हैं। चीन ने अपने मानचित्रों पर तथाकथित नाइन-डैश लाइन के माध्यम से ''ऐतिहासिक अधिकारों'' के आधार पर दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से को अपने क्षेत्र के रूप में लंबे समय से दावा किया है, जो फिलीपींस के 200-नॉटिकल मील के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के साथ ओवरलैप करता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के तहत मान्यता प्राप्त है।

फिलीपींस को परेशान कर रहा चीन

2016 में, फिलीपींस ने हेग में एक मध्यस्थ निर्णय जीता, जिसने फैसला सुनाया कि चीन के ऐतिहासिक दावे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के विपरीत हैं और ऐतिहासिक आधार की कमी है, एक निर्णय जिसे बीजिंग ने लगातार खारिज कर दिया है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से फिर कांपा अमेरिका, अलबामा के बर्मिंघम में नाइट क्लब में फायरिंग

न्यूयॉर्क।

अमेरिका के अलबामा राज्य के बर्मिंघम में एक नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में कम से कम सात लोगों के मौत की खबर है। बर्मिंघम पुलिस के अनुसार, इस घटना में 9 लोग घायल भी हुए हैं। सभी घायलों का इलाज जारी है, जिसमें से कई की हालत गंभीर है। बर्मिंघम पुलिस डिपार्टमेंट के अनुसार, पुलिस अधिकारी ई लोगों को गोली लगने की सूचना पर रात 11:08 बजे 27वीं स्ट्रीट नॉर्थ के 3400 ब्लॉक में एक नाइट क्लब में पहुंचे। पहुंचने पर, अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने से घायल हुए देखा।

इस घटना के थोड़ी देर बाद बर्मिंघम फायर एंड रेस्क्यू घटनास्थल पर पहुंचा और एक वयस्क पुरुष को मृत घोषित कर दिया, जो नाइट क्लब के पास एक फुटपाथ पर पड़ा था। बीएफआरएस ने दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया, जिन्हें उन्होंने अंदर पाया। कई घायलों को बीएफआरएस के कर्मियों या निजी वाहन से यूएबी अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान यूएबी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। यूएबी में कम से कम नौ अतिरिक्त गोली लगने वाले पीड़ित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गोलियां क्यों चलाई गई। पुलिस अधिकारी ट्रूमैन फिट्जगेराल्ड का कहना है कि अधिकारियों का मानना है कि कम से कम एक संदिग्ध ने सड़क से नाइट क्लब में गोली चलाई। इस समय कोई भी हिरासत में नहीं है। संघीय एजेंसियां जांच में बीपीडी की सहायता कर रही हैं। कोई भी व्यक्ति जिसके पास जानकारी है, वह 205-254-1764 पर बीपीडी से संपर्क कर सकता है।

बीपीडी ने रविवार सुबह निम्नलिखित बयान जारी किया: ''बर्मिंघम पुलिस विभाग इस दुख और क्षति की घड़ी में हमारे समुदाय के साथ खड़ा है, क्योंकि हमने बर्मिंघम शहर में हिंसा के मूर्खतापूर्ण कृत्यों को देखा है। हम पीड़ितों, उनके परिवारों और प्रभावित सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। ऐसी त्रासदी के बावजूद, हम पीड़ितों को न्याय दिलाने के अपने मिशन में दृढ़ हैं।

हम जिम्मेदार लोगों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। बर्मिंघम पुलिस विभाग हमारे समुदाय की सुरक्षा और सुरक्षा की भावना को बहाल करने के लिए समर्पित है।

जेलेंस्की ने मोदी की पुतिन से मुलाकात पर दिया था तीखा बयान, भारत ने अब यूक्रेन के सामने उठाया मुद्दा

कीव।

भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की ओर से की गई तीखी टिप्पणियों को यूक्रेन के सामने उठाया है। नरेंद्र मोदी के रूस पहुंचने के बाद व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात पर गुस्सा जाहिर करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका बताया था। नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को मॉस्को में दुनिया के सबसे कुख्यात खूनी अपराधी से गले मिलते देखना निराशाजनक है। जेलेंस्की की तीखी बयानबाजी को भारत ने कीव के सामने उठाते हुए अपना एतराज दर्ज कराया है।

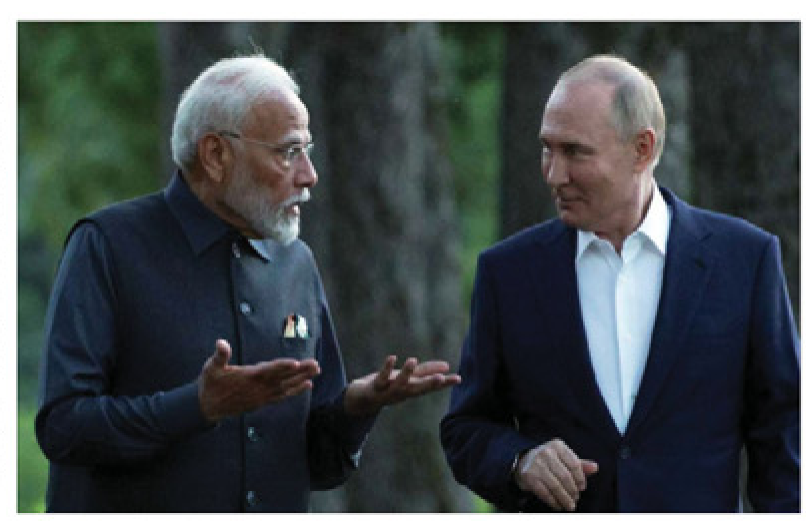

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के बाद यूक्रेन ने कल्चर वर्किंग ग्रुप की एक निर्धारित बैठक को रद्द कर दिया है। यह निर्णय भारत और यूक्रेन के बीच चल रही व्यस्तताओं के बावजूद लिया गया है। इटली में हाल ही में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बैठक भी हुई थी लेकिन अब दोनों देशों के रिश्ते तल्ख होते दिख रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22वें भारत वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 8 से 9 जुलाई तक रूस की यात्रा पर थे। इससे पिछला शिखर सम्मेलन दिसंबर 2021 में हुआ था, जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिल्ली आए थे। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर बात करते हुए कहा कि किसी भी मसले को युद्ध के बजाय बातचीत से हल किया जाना चाहिए। पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा पर अमेरिका की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखी गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने रूस के साथ अपने संबंधों पर भारत के साथ कई चिंताएं उठाई हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत ने संघर्ष में रणनीतिक स्वायत्तता के विचार को खारिज करते हुए अमेरिकी संबंधों को हल्के नहीं मानने को कहा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेटी के इस बयान को लेकर काफी बहस हो रही है।

अमेरिका में रहने वाली एक ब्राजीलियन मूल की मॉडल को मानव तस्करी और महिलाओं को गुलाम बनाने का दोषी पाया गया है।

इंस्टाग्राम मॉडल की करतूत तो देखें, फॉलोअर्स को जबरन सेक्स वर्क में धकेला, गुलाम बनाया

न्यूयॉर्क: पूर्व ब्राजीलियाई मॉडल और अमेरिका में रहने वाली वेलनेस इन्फ्लुएंसर कैट टॉरेस को मानव तस्करी और महिलाओं की गुलामी के लिए आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस मामले की जांच करने वाली एजेंसी एफबीआई ने पाया कि उनके साथ रहने वाली दो महिलाएं 2022 में लापता हो गई थीं। कैट टॉरेस के साथ काम करने वाली महिलाओं ने दावा किया है कि उन्हें भी तस्करी करके गुलाम बनाया गया था। उन्होंने टॉरेस के साथ रहने के अपने दर्दनाक अनुभवों को साझा किया है। बात करते हुए महिलाओं ने दावा किया है कि वे उनकी गरीबी से अमीरी की कहानियों से आकर्षित थीं, क्योंकि वह ब्राजील के एक गरीब इलाके में रहने से लेकर हॉलीवुड सितारों के साथ पार्टी करने तक पहुंच गई थी। टॉरेस के बारे में एक बार अफवाह थी कि वह अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो को डेट कर रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि वह अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग करके भविष्यवाणियां कर सकती हैं और वह प्रतिष्ठित ब्राजीलियाई टीवी शो में एक आम चेहरा थीं। एना नाम की महिला ने इइउ को बताया, ''वह पत्रिकाओं के कवर पेज पर थीं। उन्हें लियोनार्डो डिकैप्रियो जैसे प्रसिद्ध लोगों के साथ देखा गया था। मैंने जो कुछ भी देखा, वह विश्वसनीय लगा।'' टॉरेस की पूर्व फ्लैटमेट एना, जो न्यूयॉर्क में उसके साथ घर

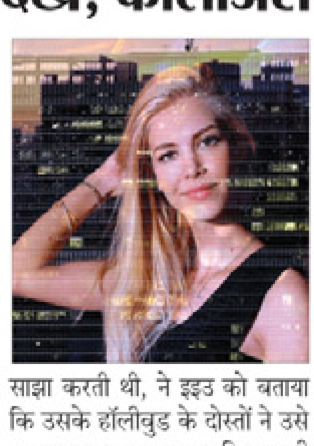

साझा करती थी, ने इइउ को बताया कि उसके हॉलीवुड के दोस्तों ने उसे अयाहुस्का नामक एक मतिभ्रमकारी (दिमाग घुमा देने वाला नशा) ड्रग्स से परिचित कराया था। इस दवा के इस्तेमाल से ही उसने खुद को एक लाइफ कोच और सम्मोहनकर्ता के रूप में फिर से स्थापित किया। जल्द ही, टॉरेस ने एक वेलनेस वेबसाइट और सदस्यता सेवा विकसित की, जिसने ग्राहकों को ''प्यार, पैसा और आत्म-सम्मान का वादा किया, जिसका आपने हमेशा सपना देखा था।'' उसने सम्मोहन, ध्यान और व्यायाम कार्यक्रमों सहित रिश्तों, स्वास्थ्य, व्यावसायिक सफलता पर सलाह देने वाले सेल्फ हेल्प वीडियो भी बनाए। उसने $150 में एक-एक वीडियो परामर्श की पेशकश की, जो ''उनकी किसी भी समस्या'' को हल कर देगा। 2019 में, एना, टॉरेस के लिव-इन सहायक के रूप में काम करने के लिए न्यूयॉर्क चली गई। एक हिंसक बचपन और एक अपमानजनक रिश्ते से बचकर, वह ब्राजील से अकेले अमेरिका चली गई और बोस्टन में विश्वविद्यालय में न्यूट्रीशन का अध्ययन करने लगीं।

इस काम के लिए उसे टॉरेस के जानवरों की देखभाल करनी थी, उसके लिए खाना बनाना था, उसके कपड़े धोने थे और $2000 प्रति माह पर सफाई करनी थी। लेकिन जब वह पहुंची, तो टॉरेस के घर की स्थिति ने उसे चौंका दिया। घर गंदा था और उसे बिल्ली के मूत्र से सने सोफे पर सोने के लिए मजबूर किया गया था। उससे लगातार टॉरेस के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद की जाती थी, उसे केवल कुछ घंटों के लिए सोने की अनुमति दी जाती थी। वह कुछ घंटों के लिए सोने के लिए बिल्डिंग के जिम में छिप जाती थी। उसे कभी भुगतान नहीं किया जाता था। एना के भागने के बाद, टॉरेस ने दो और महिलाओं - डेसिरे और लेटिसिया को काम पर रखा - जो उसके साथ टेक्सास के एक घर में रहने लगीं। लाइफ कोचिंग और हीलिंग रिट्रीट के रूप में शुरू हुआ यह काम जल्द ही महिलाओं के लिए एक दुःस्वप्न में बदल गया। कुछ ही हफ्तों में, डेसिरे पर दबाव डाला गया कि वह एक स्थानीय स्ट्रिप क्लब में काम करे, जबकि टॉरेस उस पर ''जादू टोना'' करती थी। दोनों महिलाओं को एक-दूसरे से बात करने से मना किया गया और उन्हें अपने कमरे से बाहर निकलने के लिए, यहां तक कि बाथरूम का उपयोग करने के लिए भी, उससे अनुमति लेनी पड़ी।